ग्रौर जब तक उसे बोलने की इजाजत नहीं मिलती है तब तक उसे बोलना नहीं चाहिये। मेरा खयाल है कि ग्राज से ग्रागे ऐसा ही होगा।

श्री रामसेवक यादव : ग्रध्यक्ष महोदय, मेरा इस बारे में निवेदन यह है कि जब माननीय सदस्य ने प्वाइंट ग्राफ ग्रार्डर उठाया ग्रौर ग्राप बैठ गये तो उन्होंने यही समझा कि ग्राप शायद उनको बोलने की इजाजत दे रहे हैं ग्रौर उस लिये उन्होंने ग्रपनी बात कही।

ग्रध्यक्ष महोदय : उन्होंने जो समझा वह ग्रपने हिसाब से उन्होंने ठीक ही समझा।

श्री बागड़ी : स्पीकर साहब, चूंकि मेरे से यह बात सम्बन्ध रखती है इस लिये मैं इसे साफ कर दूं.....

ग्रध्यक्ष महोदय : बगैर मेरी इजाजत के ग्राप नहीं कर सकते।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

D.V.C. Navigational Canal

Shri Daji:
Shri P. K. Deo:
Shri Narendra Singh Mahida:
Shri P. C. Borooah:
Shrimati Renu Chakravartty:

Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Damodar Valley Corporation has not yet repaired the canal damaged in 1958-59;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) whether it is also a fact that the non-repairs have left the canal un-navigable and coal supplies to Bengal are held up?

The Minister of State in the Ministry of Irrigation and Power (Shri Alagesan): (a) No; Sir.

(b) and (c). **Do not arise.**

खाद्य उत्पादन

*५८.
श्री म० ला० द्विवेदी :
श्री स० चं० सामन्त :
श्री सुबोध चेसदा :
श्री विश्वनाथ राय :
श्री प्र० रं० चक्रवर्ती :
श्री यशपाल सिंह :
श्रीमती रेणुका राय :
श्री च० का० भट्टाचार्य :
श्री राम रत्न गुप्त :
डा० क० ल० राव :
श्री इन्द्रजीत लाल मल्होत्रा :
श्री हेम राज :
श्री दाजी :
श्री श्याम लाल सर्राफ :
श्री मं० क० कुमारन :
श्रीमती ज्योत्सना चंदा :
श्री मुहम्मद ताहिर :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस वर्ष खाद्य उत्पादन मांग की तुलना में कितना कम है ;

(ख) कितने ग्रनाज यानी गेहूं ग्रादि का विशेषत: १९६२-६३ में ग्रायात किया जायेगा ;

(ग) क्या इस वर्ष भारत को ग्रमरीका से उसकी कुल ग्रावश्यकता का गेहूं प्राप्त नहीं हो रहा है ग्रौर इसके कारण हैं ;

(घ) ग्रास्ट्रेलिया सरकार से एक लाख टन गेहूं खरीदने के, जिसके सम्बन्ध में जुलाई के प्रथम सप्ताह में समझौता हुग्रा था, क्या कारण हैं ग्रौर भारत को इससे क्या लाभ होगा ; ग्रौर

(ङ) ग्रमरीकी गेहूं ग्रौर ग्रास्ट्रेलिया के गेहूं के मूल्यों ग्रौर किस्म में क्या ग्रन्तर है ग्रौर भारत में ये क्या क्या भाव पर बिकेंगे ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उप मंत्री (श्री अ० म० थामस) : (क). १९६१-६२ के सभी खाद्यान्नों के उत्पादन के अंतिम अनुमान अभी तक प्राप्त नहीं हुये हैं। खाद्यान्नों की मांग का ठीक ठीक अनुमान लगाना भी कठिन है क्यों कि यह मांग कई बातों पर निर्भर करती है जिनमें से अधिकांश का ठीक ठीक अनुमान भी नहीं लगाया जा सकता है। अनुमान है कि १९६२ में सरकारी भंण्डार में से लगभग ३५ लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न का वितरण किया जायेगा। मांग की अपेक्षा उत्पादन में लगभग इतनी ही कमी समझी जा सकती है।

(ख) भविष्य में होने वाले आयात का कार्यक्रम बताना जन हित में नहीं होगा।

(ग) भारत सरकार को संयुक्त राज्य अमेरिका से अपेक्षित गेहूं की मात्रा प्राप्त हो रही है और इसमें कोई कठिनाई नहीं है।

(घ) संयुक्त राज्य अमेरिका सरकार के साथ जो मई, १९६० का पी०एल० ४८० करार हुआ था उसके अन्तर्गत हो रहे आयात के अलावा भारत सरकार के लिये ४ लाख मीट्रिक टन गेहूं आयात करना जरूरी है। आस्ट्रेलिया से गेहूं की यह खरीदारी साधारण बाजारों की आवश्यकता के अनुसार हो रही है।

(ङ) आस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका से जिस भाव पर गेहूं का आयात किया जा रहा है, उसका बताना जन हित में नहीं होगा। आस्ट्रेलिया का गेहूं सफेद किस्म का है जो कि न्यूनाधिक संयुक्त राज्य अमेरिका के पश्चिमी सफेद गेहूं से मिलता जुलता है। भारत में आस्ट्रेलिया और अमरीकी गेहूं का बिक्री भाव बोरी का मूल्य सहित रु० ३०.५१ प्रति क्विटल है।

National Millers' Laboratory

*59. Shri Basumatari:
Shri Bishanchander Seth:
Shri Rameshwar Tantia:
Shri Bhagwat Jha Azad:
Shri Yallamanda Reddy:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is a proposal to set up a National Millers' Laboratory in Delhi to test the quality of wheat products;

(b) if so, to what extent it is likely to help in improving the quality of wheat;

(c) what will be the approximate cost of such a laboratory;

(d) whether it is not possible to create a competition among farmers for quantitative and qualitative increase of wheat per acre of land by announcing rewards by way of inducements; and

(e) if not, the reasons therefor?

The Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture (Shri A. M. Thomas): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

(d) and (e). The State Governments are already awarding suitable prizes in crop competitions among individual farmers for promoting the spirit of healthy competitions among them to raise the yield per acre. Competitions are also held at District and State levels for community awards.

Wagons for movement of coal from Bengal-Bihar Area

*60. Shri Rameshwar Tantia:
Shri S. M. Banerjee:
Shri Bishanchander Seth:
Shri P. R. Chakraverti:
Shri P. C. Borooah:
Shri Bhagwat Jha Azad:
Shri Bhakt Darshan:
Shri Raghunath Singh:

Will the Minister of **Railways** be pleased to state: